

ईनिड जागरण
(10-07, 2015)

मण्डीदीप अस्पताल में पैसा लेकर कराई जा रही डिलेवरी

मंडीदीप संवाददाता। प्रदेश सरकार गर्भवती महिलाओं की सुरक्षित डिलेवरी कराने एवं जच्चा बच्चा के स्वास्थ्य के प्रति गंभीर है शासन इस पर करोड़ों रूपए व्यय कर रहा है लेकिन मंडीदीप सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में गर्भवती महिलाओं की डिलेवरी कराने के अलग अलग रेट है। लड़का पैदा होने पर एक हजार से दो हजार तथा लड़की होने पर पांच सौ से एक हजार रूपए तय है। इसमें कभी कभी जबरिया वसूली भी की जाती है।

यह शिकायत कई दिनों से प्राप्त हो रही थी हालांकि गुप्त रूप से इसकी तहकीकात चल रही थी। जिसमें उन्हे आज सफलता मिल गई। यह सनसनी खेज खुलासा उस समय हुआ जब मंडीदीप से बीस किलोमीटर दूर से अनूसूचित जाती की दलित महिला सपना बाई की जननी एक्सप्रेस का चालक सिमरौद ले जाने में दो घंटे से परेशान कर रहा था यह बात पत्रकारों को मालूम चली तो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंच गए वहां प्रसूता दो दिन की लड़की को लेकर अपनी सास के साथ बैठी थी पूछने पर उसने पैसा लेकर डिलेवरी कराने का आरोप लगाया।

रूपए नहीं तो बच्चा नहीं : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में वर्षों से चल रहे इस गोरखधंधे से पर्दा उस समय उठा जब सपना बाई सोमवार मंगलवार की रात ढाई बजे अपने परिजनों के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची रात में ही लड़की पैदा हुई प्रसूता के परिजनों से एक हजार रूपए की मांग की गई पैसा नहीं होने पर बच्ची देने से मना कर दिया गया। जैसे तैसे पांच सौ रूपए देकर नर्स एवं दाई से लड़की को लिया गया। भाजपा के कार्यकाल में इससे पूर्व इतनी फजीहत गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूताओं की



कभी नहीं हुई यह बात महिलाओं द्वारा सपना बाई के समय पर शिकायत के माध्यम से उठाई गई थी। परन्तु कोई फर्क नहीं पड़ा। राहुल नगरपाल, श्रीमती कमला पते एवं सतलापुर में रहने वाली श्रीमती यशोदा बाई ने आरोप लगाया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नर्स एवं दाईयां प्रसव के दौरान प्रसूताओं से ऐसे शब्दों का प्रयोग कर अपमान करने करती है उसका यहां उल्लेख नहीं किया जा सकता। वहीं कुछ महिलाओं के परिजनों को पैसा मांगने पर आसानी से देते हैं लेकिन गरीबों को मजदूर तबके के लोगों से जबरिया पैसा वसूल कर लिया जाता है रूपए नहीं देने पर बच्चा मरवा दिया जाता। जच्चा का उपचार एवं नवजात को टीका नहीं लगाने की घमकी तक दी जाती है। इस बारे में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रमुख चिकित्सक ने अनभिज्ञता जारी करते हुए बातचीत की पहले इस प्रकार की शिकायत मिली थी। सपना बाई पर अंकुश लगा दिया गया था। कुल मिलाकर मंडीदीप स्वास्थ्य केन्द्र एक बार फिर इस प्रकार का प्रकरण को लेकर चर्चा में आ गया अब देखना होगा कि स्वास्थ्य महकमा इस बारे में क्या कार्यवाही करता है।

मेरे परिवार वालों से प्रसूत के बाद पांच सौ रूपए डिलेवरी कराने वाली कर्मचारियों द्वारा लिए गए हैं।

श्रीमती सपना बाई सिमरौद कोई पीड़ित शिकायत करें तो हम पैसा लेने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराएंगे।

डॉ एलआर दिवाकर, प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मंडीदीप मंडीदीप से इस प्रकार की शिकायतें मिल रही है हम जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले के खिलाफ सख्त कार्यवाही करेंगे।
डा. शशी ठाकुर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी रायचूर

नवभारत
(10-07-2015)

विक्षिप्त नाबालिग को बांधकर ले गए थाने

पेटलावद 9 जुलाई नससे. नगर में अर्धविक्षिप्त नाबालिक किशोर को बांधकर थाने ले जाने का मामला बुधवार देर शाम पुलिस थाने में सामने आया। बताया जा रहा है कि गणपति चौक निवासी को मोहल्ले के कुछ लोगो ने विवाद करने और बोतल से प्रहार करते हुए रोका, वह नही रुकने पर उसे रस्सी से बांधकर नगर भ्रमण कराते हुए थाने ले जाकर पुलिस के सुपुर्द किया। परिजनो ने किशोर को अर्धविक्षिप्त बताते हुए कहा वह कोई भी निर्णय लेने में सक्षम नही है। उसका दिमागी संतुलन ठीक नही होने से कई बार अप्रत्याशित समस्या का सामना करना पडता है। टीआई शिवजीसिंह राठौर का कहना है कुछ लोग विक्षिप्त किशोर को थाने पर छोड़ गए है। परिजनो को समझाइश देकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



नवदुनिया
(10-07-2015)

दबंगों ने नदी किनारे अंतिम संस्कार से रोका

घोड़ाडोंगरी में फिर दो गुट सामने, मजबूरी में घर के पीछे दफनाया

घोड़ाडोंगरी (ब्यूरो)। जिले के घोड़ाडोंगरी ब्लाक में शांतिपुर गांव की एक वृद्धा का अंतिम संस्कार करने के लिये दो गज सरकारी जमीन भी परिजनों को नसीब नहीं हो पाई। गांव के

जिस शमशान घाट पर पिछले 40 साल से अंतिम संस्कार हो रहे हैं वहां जब परिजन अर्थां लेकर पहुंचे तो लाठी लेकर पहुंचे दबंगों ने भगा दिया। दोनों गुटों के विवाद को प्रशासन 23 घंटे बाद भी सुलझा नहीं पाया तो परिजनों को मजबूरी में 23 घंटे बाद अपने घर के पीछे ही अंतिम संस्कार करना पड़ा।

घोड़ाडोंगरी के पुनर्वास क्षेत्र चोपना क्षेत्र में शांतिपुर गांव पिछले कुछ महीनों से दो गुटों के बीच टकराव के कारण सुर्खियों में आ गया है। यहां एक गुट के लोग नदी के किनारे स्थित सरकारी जमीन पर 40 वर्ष से हो रहे अंतिम संस्कार पर आपत्ति जता रहे हैं। जब उनकी आपत्ति नहीं मानते तो दबंगाई के सहारे इसे रोकने का प्रयास हो रहा है।

